

## मानवाधिकार आयोग पहुंच गया लापरवाही का मामला

वाराणसी | कार्यालय संवाददाता

बीएचयू के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में चिकित्सा में लापरवाही का मामला राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग तक पहुंच गया है। सारनाथ की किरन गुप्ता ने सोमवार को इसकी शिकायत दर्ज कराते हुए जांच करने की मांग की है। कोरोना मरीजों का उपचार करने वाले अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरा लगाने का भी सुझाव दिया है।

किरन ने बीएचयू अस्पताल में कोरोना के मरीजों की जान से खिलवाड़ होने का आरोप लगाया है। किरन ने दो

केस का उदाहरण देते हुए कार्रवाई की मांग की है। पहला केस गाजीपुर निवासी शोभना जायसवाल के बेटे का है। शोभना ने अपने पुत्र पवन जायसवाल को कोरोना पॉजिटिव आने पर 17 जुलाई को बीएचयू में भर्ती कराया। रात भर वह पानी मांगता रहा, लेकिन पर उसे पानी नहीं मिला। उसने मां से कहा कि मुझे अस्पताल से निकाल लिया जाए नहीं तो जान चली जाएगी। दूसरी शिकायत वाराणसी के हरिश्चंद्र कालेज के पूर्व छात्रनेता ने की थी। कोरोना के इलाज के लिए भर्ती उक्त नेता ने भी बढ ईंतजामी की शिकायत की थी।